

CAFN-02

आयुर्वेद का आहारिय चिकित्सा पद्धति में योगदान
Certificate in Ayurvedic Food and Nutrition
(CAFN-16/17)

Examination, 2018

Time : 3 Hours

Max. Marks : 40

नोट : यह प्रश्न पत्र चालीस (40) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड—क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए साढ़े नौ ($9\frac{1}{2}$) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. मधुमेह से आप क्या समझते हैं ? मधुमेह के कारणों को बताते हुए उसके प्रकार, लक्षण का वर्णन करते हुए रोगी को देने योग्य भोज्य पदार्थ एवं वर्जित भोज्य पदार्थों का विस्तृत वर्णन कीजिए।
2. यकृत रोग का विस्तृत वर्णन कीजिए।

3. कोष्ठ एवं आशय से आप क्या समझते हैं ? आशय के भेदों का विस्तृत वर्णन कीजिए।
4. विटामिन से आप क्या समझते हैं ? स्नेह विलेय विटामिन का विस्तृत वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं।
प्रत्येक प्रश्न के लिए चार (04) अंक निर्धारित हैं।
शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ग्रहणी एवं अग्नि का सम्बन्ध बताते हुए अग्नि के भेदों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
2. आयुर्वेदिक एवं आधुनिक मतानुसार सन्धि के प्रकारों का वर्णन कीजिए।
3. रक्तस्रावरोधी विटामिन के कार्य, कमी एवं दैनिक आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।
4. अतिसार से पीड़ित रोग के लिए एक आहार तालिका बताइए।
5. हृदय रोगों के कारणों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए एवं पेय एवं वर्जित भोज्य पदार्थों का वर्णन कीजिए।
6. Liver cirrhosis का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
7. विटामिन 'A' से आप क्या समझते हैं ?
8. मर्म के प्रकारों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

खण्ड—ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा ($\frac{1}{2}$) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर चुनिए :

1. पञ्चमहाभूत हैं :

- (अ) आकाश, वायु, अग्नि, जल, पृथ्वी
- (ब) शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंध
- (स) स्रोत्र, त्वचा, नेत्र, जिह्वा, नासिका
- (द) उपर्युक्त सभी

2. कलाएँ हैं :

- (अ) वाताशय, रक्ताशय, कफाशय, आमाशय, पित्ताशय, पक्वाशय, मूत्राशय
- (ब) मांसधरा, रक्तधरा, मेदोधरा, श्लेष्मधरा, पुरीषधरा, पित्तधरा, शुक्रधरा
- (स) वातधरा, रक्तधरा, कफधरा, आमधरा, पित्तधरा, पक्वधरा, मूत्रधरा
- (द) मांसाशय, रक्ताशय, मेदोशया, श्लेष्माशय, पुरीषाशय, पित्ताशय, शुक्राशय

3. शरीर में अम्ल तथा क्षार की मात्रा सन्तुलित करता है :

- (अ) वृक्क
- (ब) आमाशय
- (स) हृदय
- (द) यकृत

4. सुश्रुतानुसार अस्थि एवं सन्धि की संख्या क्रमश हैं :

(अ) 300, 210

(ब) 210, 300

(स) 210, 210

(द) 36, 210

5. विटामिन 'डी' की दैनिक आवश्यकता है :

(अ) 0.9–1 gm

(ब) 0.5–1 gm

(स) 1–2 gm

(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

सत्य/असत्य छाँटिये :

6. विटामिन 'A' का सेवन शरीर की विभिन्न ग्रन्थियों तथा उपकला ऊतक को पूर्णता एवं कार्यकुशलता बनाए रखता है तथा उनमें संक्रमण को रोकता है। (सत्य/असत्य)

7. ऑपरेशन तथा चोट के बाद लौह लवण, विटामिन 'C' फोलिक अम्ल तथा विटामिन B_2 की मात्रा कम देनी चाहिए। (सत्य/असत्य)

8. दो या दो से कम अस्थियों के प्रान्त या किनारे जहाँ आकर मिलते हैं वह सीमन्त कहलाता है। (सत्य/असत्य)

9. विटामिन A, D, E तथा K स्नेह एवं जल दोनों में विलेय होते हैं। (सत्य/असत्य)

10. सोडियम आयन एच्छिक तथा अनैच्छिक पेशी संकोच के लिए आवश्यक है। (सत्य/असत्य)